

# आईवीआरआई में सिंथेटिक पेप्टाइड जीव विज्ञान पर कौशल विकास कार्यक्रम 'ज्ञान शाला' का उद्घाटन

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज़ज़तनगर के पशु चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी विभाग की पेप्टाइड और पेप्टिडोमिमेटिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला में सिंथेटिक पेप्टाइड जीव विज्ञान विषय पर दस दिवसीय 'ज्ञान शाला' कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। इस कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक प्रधान वैज्ञानिक डॉ. समीर श्रीवास्तव हैं। इस कौशल विकास कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में पाठ्यक्रम निदेशक ने अतिथियों का स्वागत किया और ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के लक्ष्य और उद्देश्यों पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला आईवीआरआई डीम्ड विश्वविद्यालय के परास्नातक और डॉक्टरेट छात्रों के तकनीकी कौशल को निखारने के लिए आयोजित की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि इस कौशल विकास कार्यक्रम को ज्ञान शाला नाम दिया गया है। इस कार्यक्रम में छात्रों के लाभ के लिए कौशल विकास कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी, ताकि वे अपने शोध कार्य में उपयोग की जाने वाली विभिन्न आधुनिक तकनीकों को सीख सकें। इस श्रृंखला में, पहली कार्यशाला सिंथेटिक पेप्टाइड जीव विज्ञान पर है जो 21 से 30 सितंबर, 2023 तक आयोजित की गई है। इस ज्ञान शाला में विभिन्न विषयों के 16 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।



इस कार्यशाला में छात्रों को सिंथेटिक पेप्टाइड्स के संश्लेषण, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली बुनियादी तकनीकों के बारे में ज्ञान प्रदान किया जाएगा। इस कौशल विकास पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए छात्रों को कम से कम 15 संपर्क घंटे अनिवार्य रूप से उपस्थित होने होंगे। इसी श्रृंखला में अक्टूबर माह में 'अच्छी प्रयोगशाला पद्धतियों' के क्षेत्र में दूसरी कार्यशाला का आयोजन प्रस्तावित है।



इस उद्घाटन कार्यक्रम में आईवीआरआई के निदेशक एवं कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने सर्व प्रथम पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. समीर श्रीवास्तव और पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. सोनल और डॉ. सबापति को बधाई दी और मास्टर्स और डॉक्टरेट छात्रों के कौशल विकास के लिए इस नई पहल को शुरू करने के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवाओं का कौशल विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है और इस उद्देश्य के लिए कौशल विकास और उद्यमिता का एक अलग मंत्रालय स्थापित किया गया है। उन्होंने देश में कौशल विकास कार्यक्रम के तहत की जा रही विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला और सभी प्रभागों के प्रमुखों से अपने संकाय सदस्यों को छात्रों के लाभ के लिए ऐसे कौशल विकास कार्यक्रम तैयार करने के लिए प्रेरित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जो प्रयोगशालाएँ इस प्रकार के प्रशिक्षण

कार्यक्रम प्रदान कर रही हैं उन्हें कौशल विकास केंद्र के रूप में नामित किया जा सकता है और हमें कौशल विकास के लिए और अधिक उत्कृष्टता केंद्र बनाने के लिए काम करना चाहिए।



उन्होंने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए तैयार की गई पाठ्यक्रम सामग्री पर भी संतुष्टि व्यक्त की और प्रतिभागियों से डॉ. समीर और उनकी टीम की विशेषज्ञता और अनुभव का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। इस अवसर पर उन्होंने दोनों ज्ञान शाला कार्यशाला की पाठ्यक्रम सामग्री का फ़्लायर भी जारी किया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक (कैडरड), डॉ. केपी सिंह, संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक) डॉ. एसके मेंदीरता और संयुक्त निदेशक (शोध) डॉ. एसके सिंह भी उपस्थित थे और उन्होंने अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने युवा छात्रों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय भाग लेने के लिए प्रेरित किया और छात्रों के लाभ के लिए ऐसे महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने के लिए टीम को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. सबापति ने दीया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विभागध्यक्षों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।